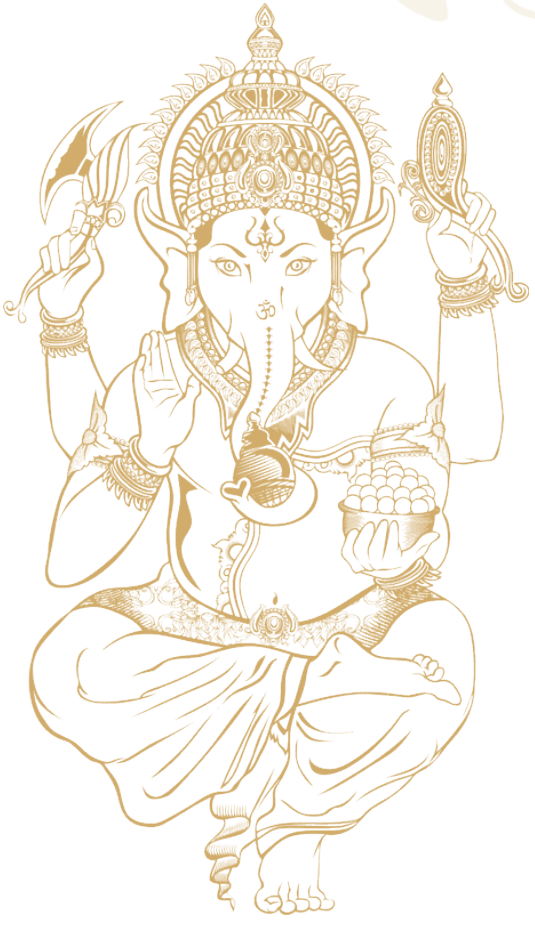

Mr.harsh

Ms.ayushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119446108

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/10/1999	जन्म तिथि	01/09/2000
रविवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 20:45:00	जन्म समय	06:35:00 घंटे
घटी 35:13:50	जन्म समय(घटी)	00:42:54 घटी
India	देश	India
Godhra	स्थान	Indore
22:49:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
73:40:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:35:20	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:39:28	सूर्योदय	06:08:59
17:58:25	सूर्यास्त	18:43:14
23:51:02	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:44

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 1वर्ष 6मा 18दि		29:05:14	वृष	लग्न	सिंह	20:10:30	चन्द्र 2वर्ष 7मा 5दि	
शुक्र		13:53:48	तुला	सूर्य	सिंह	15:02:37	राहु	
20/05/2025		15:34:41	कर्क	चंद्र	कन्या	19:52:06	08/04/2010	
20/05/2045		16:48:16	धनु	मंगल	कर्क	26:01:19	07/04/2028	
शुक्र	19/09/2028	06:36:08	वृश्चि	बुध	सिंह	24:18:20	राहु	19/12/2012
सूर्य	19/09/2029	05:01:16	मेष व	गुरु	वृष	16:03:34	गुरु	15/05/2015
चन्द्र	21/05/2031	27:24:27	सिंह	शुक्र	कन्या	07:14:13	शनि	20/03/2018
मंगल	20/07/2032	20:19:42	मेष व	शनि	वृष	06:59:56	बुध	07/10/2020
राहु	20/07/2035	14:41:29	कर्क व	राहु व	मिथु	29:49:28	केतु	25/10/2021
गुरु	20/03/2038	14:41:29	मक व	केतु व	धनु	29:49:28	शुक्र	25/10/2024
शनि	20/05/2041	19:02:31	मक	हर्ष व	मक	24:10:40	सूर्य	19/09/2025
बुध	20/03/2044	07:49:24	मक	नेप व	मक	10:26:06	चन्द्र	21/03/2027
केतु	20/05/2045	15:16:48	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:19:27	मंगल	07/04/2028

लग्न-चलित

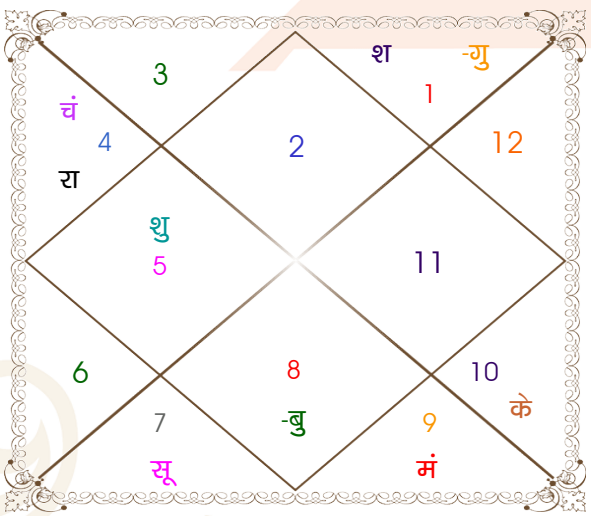

लग्न-चलित

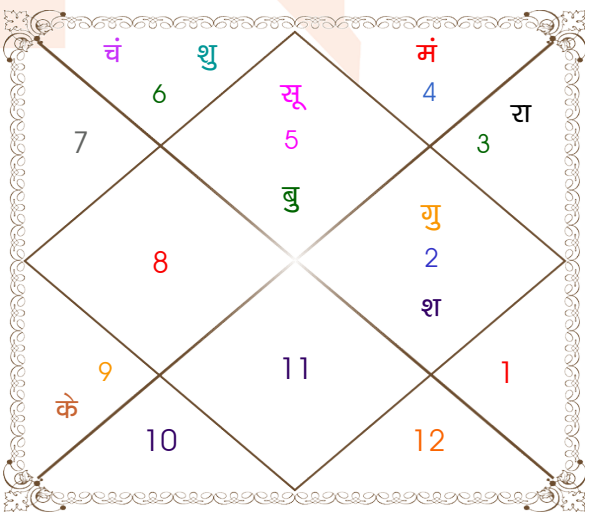

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	बुध	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

Mr.harsh का वर्ग श्वान है तथा Ms.ayushi का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.harsh और Ms.ayushi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.harsh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Ms.ayushi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.ayushi कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.ayushi कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.ayushi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr.harsh कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.harsh कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.harsh तथा Ms.ayushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।